लखनऊ, 31 जनवरी, 2011

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

मोमबत्ती मार्च निकाल कर जताया विरोध

लखनऊ, 30 जनवरी (संसू) : डॉ.विनायक सेन ने अपना पूरा जीवन आदिवासियों की सेवा करने में बिता दिया। उन्होंने विकास की राह से कोसों दूर जीवनयापन करने वाले लोगों के लिए काम किया है। राजद्रोह का आरोप लगाकर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे डालना गलत है।

राजधानी के कई स्वयंसेवी संगठनों ने रविवार को कैंडल मार्च निकालकर डॉ.विनायक सेन की रिहाई की मांग की। हाथों में 'डॉ.सेन को रिहा करो' की तख्तियां लिए परिवर्तन चौक पर एकत्रित हुए कार्यकर्ताओं ने सरकार के इस कदम का विरोध किया। प्रदर्शन में आशा परिवार, हमसफर, मेसवा, महिला फेडरेशन स्वयंसेवी संगठनों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम समन्वयक सुधा सिंह का कहना है कि छत्तीसगढ़ में लागू विशेष जन सुरक्षा अधिनियम से मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, इसलिए इसे स्थगित किया जाए।

Media advocacy